भारत सरकार
वित्त मंत्रालय
आर्थिक कार्य विभाग
(विदेशी ऋण प्रबंधन एकक)

प्रेस विज्ञप्ति

विषय: दिसंबर 2017 के अंत में भारत का विदेशी ऋण ।

वित्त मंत्रालय का आर्थिक कार्य विभाग प्रत्येक वर्ष सितंबर और दिसंबर को समाप्त तिमाहियों के लिए भारत के विदेशी ऋण के त्रैमासिक आंकड़ों को संकलित और जारी करता है। यह प्रेस विज्ञप्ति दिसंबर 2017 के अंत में भारत के विदेशी ऋण से संबंधित है।

(i) भारत का विदेशी ऋण स्टॉक मार्च 2017 के अंत के स्तर की तुलना में दिसंबर अंत 2017 में लगभग 41.6 बिलियन अमरीकी डॉलर (8.8 प्रतिशत) की वृद्धि को दर्ज कराते हुए 513.4 बिलियन अमरीकी डॉलर रहा। इस अवधि के दौरान विदेशी ऋण में वृद्धि मुख्य रूप से वाणिज्यिक उधारी, एनआरआई जमा तथा अल्पावधिक ऋण में वृद्धि के कारण हुई। आनुक्रमिक आधार पर, सितंबर अंत 2017 की स्थिति के अनुसार कुल विदेशी ऋण में सितंबर अंत 2017 की तुलना में 17.6 बिलियन अमरीकी डॉलर (3.6 प्रतिशत) की वृद्धि हुई है।

(ii) भारत के विदेशी ऋण का परिपक्वता पैटर्न दीर्घावधिक उधार की प्रमुखता को सूचित करता है। दिसंबर अंत 2017 में, दीर्घावधिक विदेशी ऋण भारत के कुल विदेशी ऋण का 81.0 प्रतिशत था जबकि शेष (19.0 प्रतिशत) अल्पावधिक विदेशी ऋण था।

(iii) दिसंबर अंत 2017 में दीर्घावधिक ऋण 415.8 बिलियन अमरीकी डॉलर था जो मार्चांत 2017 के स्तर की तुलना में 32.1 बिलियन अमरीकी डॉलर की वृद्धि (8.4 प्रतिशत की वृद्धि) सूचित करता है। अल्पावधिक विदेशी ऋण में दिसंबर अंत 2017 में 10.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 97.6 बिलियन अमरीकी डॉलर के स्तर पर रहा तथा कुल ऋण में इसकी 19.0 प्रतिशत हिस्सेदारी मार्चांत 2017 के 18.7 प्रतिशत की तुलना में अधिक थी।

(iv) मूल्यन हानि (एसडीआर, यूरो तथा पाउंड स्टर्लिंग के मुकाबले अमरीकी डॉलर का अवमूल्यन) मार्च 2017 की तुलना में दिसंबर 2017 में 5.1 बिलियन अमरीकी डॉलर थी। इससे यह पता चलता है कि यदि मूल्यन प्रभाव को छोड़ दिया जाए तो मार्चांत 2017 के स्तर की तुलना में दिसंबर अंत 2017 में ऋण में वृद्धि की राशि 41.6 बिलियन अमरीकी डॉलर न होकर 36.5 बिलियन अमरीकी डॉलर के स्तर पर होती।

(v) दिसंबर अंत 2017 में कुल विदेशी ऋण में सरकारी (सॉवरन) और गैर-सरकारी ऋण की हिस्सेदारी क्रमश: 21.2 प्रतिशत और 78.8 प्रतिशत थी तथा सरकारी सॉवरन का हिस्सा मार्चांत 2017 में 19.4 प्रतिशत था।

(vi) दिसंबर अंत 2017 में भारत के कुल विदेशी ऋण स्टॉक में अमरीकी डॉलर में मूल्यवर्गित ऋण का हिस्सा 48.2 प्रतिशत पर बना हुआ है जिसके बाद भारतीय रुपया (37.3 प्रतिशत), एसडीआर (5.7 प्रतिशत), जापानी येन (4.6 प्रतिशत), यूरो (3.2 प्रतिशत) तथा अन्य (1.0 प्रतिशत) का स्थान आता है।

(vii) कुल विदेशी ऋण में विदेशी मुद्रा का कवर मार्चांत 2017 के 78.4 प्रतिशत से बढ़कर दिसंबर अंत 2017 में 79.7 प्रतिशत हो गया।

(viii) दिसंबर अंत 2017 में मूल परिपक्वता के अनुसार अल्पावधिक विदेशी ऋण और विदेशी मुद्रा भंडार का अनुपात 23.8 प्रतिशत के स्तर पर था जबकि सितंबर अंत 2017 में यह 23.2 प्रतिशत तथा मार्चांत 2017 में 23.8 प्रतिशत के स्तर पर था।

(ix) अवशिष्ट परिपक्वता के आधार पर दिसंबर अंत 2017 में अल्पावधिक ऋण कुल विदेशी ऋण का 42.4 प्रतिशत था (सितंबर 2017 अंत में 41.7 प्रतिशत तथा मार्चांत 2017 में 41.5 प्रतिशत) तथा कुल विदेशी मुद्रा भंडार का 53.2 प्रतिशत था (सितंबर अंत 2017 में 51.7 प्रतिशत और मार्चांत 2017 में 52.9 प्रतिशत)।

(x) रियायती ऋण और कुल विदेशी ऋण का अनुपात दिसंबर अंत 2017 में 8.6 प्रतिशत था, जबकि मार्चांत 2017 में 9.3 प्रतिशत था।

दिसंबर अंत 2017 में भारत के विदेशी ऋण की संपूर्ण त्रैमासिक रिपोर्ट वित्त मंत्रालय की वेबसाइट www.finmin.nic.in पर उपलब्ध है ।

फा.सं. 1(3)/2018- इडीएमयू दिनांक : 28 मार्च, 2018

पत्र सूचना कार्यालय से उपर्युक्त को जारी करने का अनुरोध किया जाता है ।

डॉ. आशुतोष राराविकर
निदेशक

श्री डी एस मलिक
अपर महानिदेशक (एमएंडसी)
जन सूचना अधिकारी
वित्त मंत्रालय, नॉर्थ ब्लॉक